देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

प्रेस–विज्ञप्ति

इन्दौर, 12 जून 2024। विश्वविद्यालय कार्यपरिषद् की बैठक आज नालंदा परिसर, में सम्पन्न हुई। आज की बैठक में उच्च शिक्षा आयुक्त श्री निशांत वरवडे भी उपस्थित थे। माननीय कुलपति प्रो. रेणु जैन, कार्यपरिषद् सदस्य श्री ओम शर्मा एवं कुलसचिव डॉ. अजय वर्मा ने आयुक्त महोदय एवं कार्यपरिषद् के नवागत सदस्य डॉ. राधाकृष्ण लोढ़वाल जी का पुष्पगुच्छ एवं शाल श्रीफल से स्वागत किया।

बैठक में बी.एस.सी. एग्रीकल्चर पाठ्यक्रम को शीघ्र प्रारंभ करने का निर्णय लिया गया। आज की बैठक में स्कूल ऑफ कम्प्यूटर साईंस एवं लाईफ साईंस अध्ययनशाला में शिक्षकों की नियुक्ति से संबंधित चयन समिति के निर्णय के लिफाफे खोले गए साथ ही ड्रोन संचालन से संबंधित पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने की अनुमति कार्यपरिषद् ने प्रदान की।

वित्त समिति की निम्नलिखित अनुशंसाओं को कार्यपरिषद् ने मान्य किया :–

विश्वविद्यालय के इंटरनेट के वार्षिक रखरखाव हेतु किए जाने वाले अनुबंध को स्वीकृत किया गया। सत्र 2024–25 में छात्रावास शुल्क एवं कॉशनमनी शुल्क में वृद्धि किए जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

विश्वविद्यालय द्वारा विभिन्न अध्ययनशालाओं हेतु लगभग 1200 डेस्कटाप कम्प्यूटर क्रय करने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की। विश्वविद्यालय की अध्ययनशालाओं के भवनो में रिनोवेशन कार्य हेतु 40 लाख रूपये की अनुदान राशि स्वीकृति की गई। PM Usha योजना के अंतर्गत डेटा साईंस के नवीन भवन निर्माण, आई.टी. सेंटर हेतु नवीन भवन निर्माण, स्पोर्टस विभाग हेतु डोम निर्माण तथा शूटिंग रेंज स्थापित करने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने स्वीकृति प्रदान की। इसके साथ ही विश्वविद्यालय के तीनों परिसरो (नालंदा, तक्षशिला एवं आई.ई.टी.) को सुरक्षित करने हेतु बाउंड्री वॉल निर्माण के प्रस्ताव को स्वीकृत किया गया। हीरक जयंती वर्ष पर पोस्ट डाक्टरेट फेलोशिप प्रारंभ करने के प्रस्ताव को भी मान्य किया गया। विश्वविद्यालय में आवश्यकतानुसार सी.सी.टी.वी. कैमरे लगाये जाने के प्रस्ताव को कार्यपरिषद् ने मान्य किया।

बैठक में आयुक्त उच्च शिक्षा ने कहा कि महाविद्यालयों की संबद्धता के सम्बन्ध में यू.जी.सी. एवं शासन के नियमों का पूर्णतः पालन किया जाना चाहिए। उन्होने कहा कि विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट शोध किया जाना चाहिए एवं NIRF रैंकिंग में टॉप 100 में और नैक द्वारा A++ ग्रेड प्राप्त करने हेतु सम्पूर्ण प्रयास किया जाना चाहिए और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार रोजगारमूलक पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाने चाहिए।

डॉ. चन्दन गुप्ता
मीडिया प्रभारी